सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन मे २०१५

शैतानी वृत्ती के बंधनों से मुक्त हो जाओः

इससे पहले कि वो आप को बंधक बनाले

बहोतसे लोग समस्या रहित जीवनको ही सुखी जीवन समझते है। सही नौकरी, सही शादी, इत्यादी कल्पनाओं का अंदाजा यह लोग फिल्मोंद्वारा, किताबोद्वारा लेते है, और जो भी बात उनके इन कल्पनाओं में नहीं बैठती उन्हें वे नापसंद करते है। मगर जीवन परी कथा जैसा नहीं होता है, इस में वास्तवेता में बहुत कठिणाईयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, वही लोग सुखी होते है, जो जीवन में बिना गुस्सा, हताशा, और कटुता लाए कठिणाईयों का सामना करना जानते है और उनपर विजय पाते है। संक्षेप में, वे अपने में क्षमाशीलता और नम्रतापूर्वक आभार प्रदर्शन करनेकी वृत्ती विकसित करते है और यही वृत्ती उनकी महानता दर्शाती है।

हमे भूसेमेसे गेहू अलग करना सिखना जरुरी है, वैसे ही बुराईयों से अच्छाईयों को अलग करना जरुरी है। आप बडे अपराधी या चरित्रहिन व्यक्ति बननेसे पहलेही अपने में से बुरी आदतों को और छोटे छोटे अपराधीक वृत्ती को मिटाने की कोशिश करो। हर एक बात की उत्पत्ती का कुछ कारण होता है। नशे की लत पहले सिग्रेट से ही लगती है, शराबीपन पहले जामसे शुरु होता है और व्यभिचारीता केवल औपचारीक मित्रतासे शुरु होती है। अगर आप आज इन बुराईयों से सावधानी न बरतो तो वह कल दुगनी हो जाएगी।

अपने स्वार्थ की और उन भौतिक चीजों की लालसा नहीं रखना जो आपको और आपके परिवार को हानि पहुँचाने की क्षमता रखती है। अपनी आत्मा और अन्तरात्मा को काबू में रखने के लिए पवित्र आत्मा की तलवार का और परमेश्वर के पवित्र वचनों का इस्तेमाल करो और जल्द से जल्द उन बातों को अपने आप से अलग करो जो कि प्रभू की नहीं है। परमेश्वर से विचलीत करनेवाली उन सारी बातों से आलिप्त हो जाओ। बहोतसे लोग अनुग्रह पाने के लिए प्रार्थना करते है, मगर वे अपने दुर्गुणों को जैसे कि व्यभिचार, गंधापना, अहंकार, शैतानी कामवासना, और लालच, लोभ इन दुर्गुणों को नहीं छोडना चाहते। इसलिए वे वही के वही और दुखी रहते है।

अगर आप सुखी जीवन चाहते हो तो आपको खुद को प्रथम शालीन, प्रेमल बनाना होगा। आपको अपने पती या पत्नीसे, बच्चों से और अपने माता–पितासे प्रेमलतासे रहना होगा। अगर आप किसी के लिए वरदान साबित होते हो तो साहजिक आप भी आशिर्वादित होते है। प्रार्थना का वातावरण तैयार करना और उसमे ही रहना। फिर आप देख सकते हो कि कैसी सारी अच्छी बाते परमेश्वर प्रेमी लोगों के लिए साकार होती है और आप परमेश्वर के मकसद के लिए चुने जाते हो। केवल परमेश्वर को प्यार करो और फिर देखो उसकी कृपादृष्टी, सारी बाते मन के जैसी हो जाएगी।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

डायरी एक मंझले की

एक जो बड़ी बुरी भावनाओं के बारे में...

हम सभी में यह होती है... इससे कोई इन्कार नहीं। वह छोटासा डरावना खयाल आपके कानों के पिछे रेंगते हुए आपको चिडाता है... जो आपको निराश करता है... आपकी सुरक्षा को घटाताते जाता है... जब तक वह अपना पहला ठोस प्रहार नहीं करता... बूम!!!

हाँ, मेरे दोस्त, तुम पर अप्रोत्साहन करनेवाले कीड़े ने प्रहार किया है!!!

अलोहा (हलो)! मेरे सभी दोस्तों, जो इस "बुरे एहसास", इस "बुरी भावना" से पीड़ित है, जैसे "मुझे लगता है, जैसे मैं पूरा दिन सोए रहूँ" भावना... आप इसे जो चाहे नाम दे... और यह अप्रोत्साहन यकीनन जानता है, कि कैसे आपको तकलीफ दे।

सचमुच, इन दिनों मैं अपनी प्रतिज्ञाओं में विलंब किया है... सुस्त होते हुए। यह पूर्णतः मेरी वजह से ही है, अपने आपको बहाना देकर कहते हुए कि मै शारीरिक तौर पर बहुत ही "थक" गयी हूँ।

खैर, अंतर पैदा हुआ था... और जिस क्षण इस अंतर ने मेरे अंतःकरण में आकार लिया... देखा! हमारे सहायक पड़ोसी खलनायक... कैप्टन डर ने अंदर प्रवेश किया...

हारने का डर, कुछ भी हारने का डर, मेरा भविष्य, या माता पिता, या समय, या पैसा, या जो कुछ भी... कुछ हारने का यह लालची डर, जो मेरे पेट में बढ़ रहा था, मुझे घटा रहा था, संदेह से मेरा दिमाग भर रहा था... हरएक किस्म के संदेह से... आत्मसंदेह और निज–मोल... जो मुझे अपने ही निर्माता पर भरोसा करने से राक रहा था और खुद के घमंड को महत्व दे रहा था...

ओह! और यह, यहीं समाप्त नहीं होता। मेरी दूसरी मुलाकात ग्रीन गाब्लिन (बेताल) से हुई। इर्शाने मुझे मरी ही कक्षा में एक अस्वास्थ्यकर स्पर्धा में ,खींचा और इस बात का तो जिक्र ही ना करो कि कैसे मेरे कक्षा के हर एक साथीयों ने मुझे डराया और मेरे मनोबल को कमजोर किया। और इन हालांतों में, मैंने मेरी भलाई सोचनेवाले सलाहकारों की सलाह भी मानने से इन्कार कर दिया... जिसने मुझे पूर्णतः चरित्र से बाहर निकाला...

अब इस समय मुझे ठोड़े धक्के की जरुरत थी... एक विष हरण, जो मुझे एक नयी रचना बनाता और सारे बुरी भावनाओं को मार डालता...

आप जानते हो, ऊपर उल्लेखित, वह छोटासा धक्का? एक सही प्रकार का धैर्य पाने की मदद के लिए था, धैर्य जो केवल तब मिलता है, जब आप यह अच्छी तरह से जानते हो कि कौन नियंत्रण में है... मुझे केवल इतना ही करना था, सबकुछ छोड़ना था, परमेश्वर को सौंपना था। जरुरत थी, कि मेरे लिए परमेश्वर मेरे हरएक समय पर नियंत्रण पाए... उसके बाद, प्रत्येक उभरते हुए कार्य को पूरा करने के प्रयास को, मैं प्रभू येशू के अनमोल लहू से ढकने लगी...

मैंने अपनी गलतियों को स्वीकारा – विचारों और कर्तव्यों– और उनकी आँखों में आँखें डालकर उनका सामना किया। मैने फैसला किया कि मैं सबकुछ सही जगह पर रखूँगी और सही ढंग से प्राथमिकता दूँगी।

मैने अपने आपको सकारात्मक विचारों से घेर लिया, सोचते हुए कि आखिरकार कैसे सबकुछ सही जगह पर होगा और माता पिता या ब्रदर मैन्युएल जैसे चरवाह को केवल बोलने की जरुरत थी, ताकि वे यह दिखा सके कि ये सबकुछ कैसे जुड़ा हुआ है...

हाँ, यह थोड़ा लंगडा है, लेकिन मै आपसे वादा करती हूँ, कि यह अनपेक्षित छोटे छोटे अप्रोत्साहित करनेवाली भावनाओं से बदतर बात और कुछ नहीं, जो आपको इतना नीचे दबाती है, ताकि जो लोग इसके बारे में कुछ नहीं करते उनके लिए परिणामी नतीजे बहुत ही डरावने होते थे...

त्याग, घटनाक्रम, तनाव और आत्महत्या भी फैलनेवाले समाजिक बुराईयाँ है... केवल इसलिए क्योंकि हम में से किसीने सोचा कि इन डूबनेवाले विचारों से बचने के लिए यही एक छुटकारा है...

लेकिन सच्चाई यह है कि इससे कोई छुटकारा नहीं... केवल लढ़ाई है... लढ़ाई हमारे जीवन में विश्वास के लिए... ताकि और एक दिन इस सबका सामना करते हुए जीना... आशा के लिए लढ़ना, कि एकबार आप इसे जीत लो... तो दूसरे के लिए अपने आप प्रेरित हो जाओगे... लढ़ाई जो मेरे बगल का भाई भी लढ़ रहा है...

आप अकेले नहीं हो। यह याद रखो। आपने आपको इन बड़े बुरी भावनाओं के बोझ से मुक्त करो। और अगर लगे कि यह बरदाश के बाहर है, तो कुछ भी सोचने से पहले याद रखो... कि अच्छी भावनाएँ यहीं कहीं आसपास है।

- बी. एम. एम. युथ

परमेश्वर के वादों के जरिए रुपांतर - भाग ६

११. संरक्षण का वादा

क्या आप कई बार इस डर से सताए गये हो, कि इस धरती पर आपके जीवण का अंत होने से पहले, कही आप अपने उद्धार को खो ना दो? उद्धार आपके योग्यता पर निर्भर नहीं होता बल्कि वह परमेश्वर के सर्वशक्तिमान हातों परे निर्भर होता है, जो उनके लोगों को सुरक्षित संभाले रखता है। यदि हम पुनःजन्मे (विश्वासी) है, तो हमें सर्वश्रेष्ठ के सामर्थ्य द्वारा रखा गया है!

इन वादों को पढ़ो और फिर से पढ़ो।

"मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं; और मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूँ। वे कभी नष्ट न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा ... और कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन न लेगा।" (यूहन्ना १०:२७–२८)

संत पौलुस "निश्चय जानते थे कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएँ, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ्य, न ऊँचाई, न गहराई, और न कोई और सृष्टि हमें परमेश्वर के प्रेम से जो हमारे प्रभू मसीह येशू में है, अलग कर सकेगी।" (रोमियों ८:३८–३९)

उन्हें पूरा निश्चय था, कि उद्धारकर्ता

"मेरी धरोहर की उस दिन तक रखवाली कर सकता है।" (२ तीमुथियुस १:१२)

अब पौलुस हमें आश्वासन देते है...

"यहाँ तक कि किसी वरदान में तुम्हें घटी नहीं, और तुम हमारे प्रभू येशू मसीह के प्रगट होने की बाट जोहते रहते हो। वह तुम्हें अंत तक दृढ़ भी करेगा कि तुम हमारे प्रभू येशू मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो। परमेश्वर सच्चा है, जिसने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभू येशू मसीह की संगति में बुलाया है।" (१ कुरिंथियों १:७–९)

और अगर ये वादा पर्याप्त नहीं है, तो,

"हमारे प्रभू येशू मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिसने येशू मसीह के मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया, अर्थात् एक अविनाशी, और निर्मल, और अजर मीरास के लिये जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है; जिनकी रक्षा परमेश्वर की सामर्थ्य से विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिए, जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, की जाती है।" (१ पतरस १:३–५)

क्या यह खुश खबर नहीं?

शक करने से आपको कभी भी आश्वासन नहीं मिलेगा। सिर्फ परमेश्वर पर भरोसा करो। उन्होंने कहा है! आप विश्वास करो।

वचन करता है! वचन को ग्रहण करो!

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

संतुष्ट मत बनो।

अगर हम किसी की मदद करने से नाकाम होते है, तो क्या यह पाप है? आप शर्त लगाओ। लेकिन अगर हम बहुत ही व्यस्त हुए तो क्या? मुझे लगता है, यहाँ महत्वपूर्ण सवाल यह है, कि अगर उस जरुरतमंद की जगह पर आपका बेटा, या बहन, या माँ, या फिर पिताजी होते तो क्या आप फिर भी व्यस्त होते?

हाँ, हम हर बार सभी की मदद करें यह मुमकीन नहीं। परमेश्वर यह जानते है। परंतु हम कम से कम एक व्यक्ति की मदद कर ही सकते है। परमेश्वर चाहते है, कि हम अपने पड़ोस में एक लाजरस को ढूँढे।

संतुष्ट मत बनो। पाप के साथ शांतिपूर्वक मत रहो। और कभी भी दूसरों के दूखो में शांतिपूर्वक मत बनो। परमेश्वर को यह जरा भी पसंद नही, कि हम किसी जरुरतमंद से अपनी आँखे फेर ले।

इसलिए नीतिवचन की किताब कहती हैः जो कंगाल की दोहाई पर कान न दे, वह आप पुकारेगा और उसकी सुनी न जाएगी। (नीतिवचन २१:१३)

हाँ, यह सच हैं कि बहुत से लोग उनकी खूद की गलतियों की वजह से पीडित है। लेकिन, एक क्रिस्ति होने के नाते, आपको किसी की निंदा करने, या दंड देने, या दोष लगाकर यह कहने के लिए नहीं बुलाया है, कि तुम इसी लायक हो। बल्कि, हमे बिना शर्त उनकी मदद करने और उनसे प्यार करने के लिए बुलाया गया है।

वास्तव में, यही एक मार्ग है जिसके जरिए हम हकीकत में प्रचार किये बिना परमेश्वर का वचन फैला सकते है। और अगर आप इससे सहमत नहीं, तो याद रखो, आश्वासन की जरुरत नहीं है। यह एक सुनहरा दर्जा है। येशूने भी ऐसे ही किया। प्रचार करने से ज्यादा उन्होंने आगे बढ़कर लोगों के दिलों को छुआ। और वे चाहेंगे कि हम भी ऐसा ही करें।

– संपादकीय डेस्क

Noah's Ark

Find the words below in the Ark.

T L K Y U N I G H T X K B B
E A E U L V V C R E A T U R E S
J Q O X I I K W J X C D I F L R P N
M E L B M O A K L V E E X I
J S A R R G I M B A
B K Y Y F F V N A U W M T E Y N
Q N C W W K M G O D D I Q F N B W T L I W E G A I T
I N S T R U C T I O N N L A I B P B K T V U D A H F
A A H N E E I G T Z P G F X M X N C R R F E R G F L
F L Y K E A O B E Y E D D C A U U Q E E V P I V C O
D L R E V T D I H I U S B M L Z M S R I P R G E H
A O F A O M I H L O Y A L S C E Y L V X T S S
L O S U G P Z J T F H Q V R O A E X D R H
D O O R D N O A H B P C X D N C A G

INSTRUCTION CREATURES PRESERVE WARNINING ANIMALS REFUGE FAMILY OBEYED TIMBER NIGHT
BUILD RIGHT LIVED LOYAL FLOOD SAVE DOOR RAN BOAT NOAH DAYS GOD ARK

आस्था का मूल्यांकन

आस्था आपकी आशा को जानती है,
और भविषय को भी पहचानती है।
मधुमख्खी से सिखो कर्मयोगीता,
और पाओ पूर्ण समृद्धता।

अनास्था का मनसे मिलन,
न कर सके आस्था और असंभवता का मिलन।
इसी तरह लोग, खास तौर से,
गुजरते हुए, दुखद और तुफानी दौर से,
करते है विलंब, स्नेह देने से।

अनास्था के कारण, पत्थर है अबोल,
सच्चाई की बात को, उपहास से ना तोल।
करते है हम, अच्छाईयों का समर्पण,
अनास्था और अविश्वासों के कारण।
दुबारा न करना, प्रहार कठिन,
पत्थर जो ठहरा, सख्त और कठिन,
अनास्था के कारण ही, जीवन होवे कठिन।

पवित्र वचन और उपदेशों का श्रवण,
करनेसे होता है, आस्था का आगमन,
आस्था और स्नेह का, है अटूट साथ,
कहते है सारे नबि यह बात,
जिस की जरुरत है, इस भूमि को आज।

-बेनेडिक्ट विवीयन फर्नांडिझ

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मेरे जीवन में जो भी हुआ है, उसके लिए मैं परमेश्वर का आभारी हूँ। मैं एक चीज से दूसरे चीज में विश्वास करते हुए, एक जगह से दूसरी जगह भटक रहा था। मैंने सारे वर्कशॉप किये जैसे, मन नियंत्रण करना, संम्मोहित करना और मैं तांत्रिक के पास भी गया, जिसने लगभग मेरे व्यवसाय को हड़प ही लिया था, तकरीबन मेरी शादी और परिवार को तोड़ दिया था। कोई मेरा सम्मान नहीं कर रहा था; सबने सोचा की मै एक मूर्ख हूँ। तब मै यहाँ आया और ब्रदर मैन्युएलने मुझे संभाला। यह परमेश्वर की योजना थी, कि मैं अपने जीवन में शून्य बनू। मैं अपने प्रभू की स्तुति करता हूँ कि वे मुझे यहाँ ले आये और उन्होंने मुझे सारी चीजों से आशिर्वादित किया। हर एक वचन जो ब्रदर मैन्युएल हमे सुनाते है, उन्हें स्वीकारकर उनका पालन करना मुझे अच्छा लगता है। अब मैं सांसारिक चीजों, पार्टियों, तकनीशियनों, निर्देशकों, अभिनेताओं को महत्व नहीं देता। हम सब यहाँ परमेश्वर को महिमा देने के लिए है, और कुछ नहीं।

-जीत सुरेंद्रनाथ

मैं पिछले छह सालों से इस सेवकाई का हिस्सा हूँ और मैंने अंगिनत आशिर्वाद और चमत्कार का अनुभव किया है। मेरे गर्भवती होते ही, मैने आयसीआयसीआय बैंक की नौकरी छोड़ दी। और जिस ऐजंसीने मुझे वहाँ नौकरी लगाई थी, वह बंद हो गयी जिस वजह से मुझे अपना पी एफ नहीं मिला था। इसलिए मैने सेवकाई में बीज बोया, तो मुझे मेरे पी एफ की रक्कम से दुगनी रक्कम मिल गई। यहाँ आने से पहले मुझे रक्तपात की समस्या थी। मैं पवित्र शास्त्र में उल्लेखित उस महिला के बारे में जानती थी, जिसे रक्तपात की समस्या थी और जैसे ही उसने येशू के वस्त्र के कोने को छुआ वैसे ही उसे चंगाई मिल गयी। उसी तरह मै ने भी विश्वास से येशू के वस्त्र को छुआ और उसी क्षण मुझे चंगाई मिल गयी। मेरे प्रसव (डिलिवरी) के बाद, शिशु जन्म रोकने के लिए हमने कॉपर टी लगाई थी, लेकिन ब्रदर से सलाह पाते ही हमने उसे निकाल दिया। मैने देखा थोडी सूजन थी जो प्रार्थना करते ही गायब हो गई। इस सेवकाई में आने के बाद से मेरे परिवार में अब कोई भी शराब नहीं पिता। यहाँ अपना बीज बोने के बाद मेरे माता पिता आर्थिक और शारीरिक रुप से आशिर्वादित हो गए है। जब से हमारे व्यवसाय में हमे ब्रदर मैन्युएल का मार्गदर्शन मिला ह तब से हमारा व्यवसाय बहुतायत से आशिर्वादित हुआ है और हमने सबकुछ परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया है।

-सिमरन बारदेसकर

मैं ऑस्ट्रेलिया में रहता हूँ, और रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया में, मैनेजर के औदे पर हूँ। मैं एक घर की तलाश में था और जो घर मुझे पसंद आया वह बहुत ही महंगा था। मेरे पास घर खरीदने के लिए काफी पैसे नहीं थे, इसलिए, जो की-चैन ब्रदर मैन्युएलने मुझे दी थी, मैने उसे, उस घर के मेलबॉक्स (डाक पेटी) में डाल दिया। तो परमेश्वरने मुझे वही घर देकर आशिर्वादित किया। उसमें ६ बेडरूम, ४ बाथरूम, एक बड़ासा बगीचा और यह घर स्टेशन के बहुत ही करीब है। इसके पास एक झील भी है। अब मुझे अपनी नौकरी में तरक्की चाहिये, इसलिए मैं सोच रहा हूँ कि सीनियर मैनेजर के केबिन में वह आशिर्वादित की-चैन डालू। मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर मुझे जरुर इस तरक्की से आशिर्वादित करेंगे।

-फ्रांसिस डिसिल्वा

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

गोवा शुभसमाचार घोषणा

जून २०-२१ २०१५

मुख्यकार्यालय
एस-४, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लॉट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत
बुधवार कि प्रार्थना सभा
अधिक जानकारी के लिये कॉल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers